

खबर संक्षेप



ऋषि पंचमी पर महिलाएं करेगी सात ऋषियों की पूजन आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के विभिन्न स्थानों पर मंगल मूर्ति भगवान श्रीगणेश की आकर्षक प्रतिमाओं की स्थापना के बाद आज मंगलवार को भाद्रपद शुक्ल पंचमी को घरों में महिलाएं व्रत रख ऋषि पंचमी का त्यौहार मनायेंगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऋषि पंचमी व्रत से पापों का प्रक्षालन होता है। बताया जाता है कि इस दिन महिलाएं गंगा जल मिश्रित जल में स्नान करने के बाद पूजा घर या घर में पूर्व की ओर साफ सुथरे स्थान को गोबर से लीकर, ताम्बे का जल भरा कलश अष्ट दल कमल बनाती हैं और स्थापित सप्त ऋषियों की प्रतिमाओं की पूजा अर्चना कर पुण्यलाभ आर्जित करती हैं, ऋषि पंचमी के माहात्म्य के सम्बंध में हरिभूमि टीम ने जब महिलाओं से बात की तो उनका एक स्वर मे कहना था कि ऋषि पंचमी के व्रत से उन्हें गहरी मानसिक शांति का अहसास होता है।

एफएलएन प्रशिक्षण का प्रथम चरण आज से



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के साईंखेड़ा एवं चीचली ब्लॉक की शासकीय शालाओं मे कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए 4 दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के प्रथम चरण का आयोजन ब्लॉक मुख्यालयों पर अरज 15 सितंबर दिन मंगलवार से सुबह 9:30 बजे से प्रारंभ हो रहा है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार साईंखेड़ा ब्लॉक का प्रशिक्षण सांदीपनी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय साईंखेड़ा एवं चीचली ब्लॉक का प्रशिक्षण बीआरसी कार्यालय व साईं पब्लिक स्कूल चीचली मे आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण मे चीचली ब्लॉक के 105 एवं साईंखेड़ा ब्लॉक के 123 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बीआरसी डी के पटेल एवं संदीप स्थापक ने आदेश जारी कर शिक्षकों से प्रशिक्षण में उपस्थिति की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

महिलाओं ने निर्जला व्रत रख शिव पार्वती का किया पूजन घरों में हर्षोल्लास से मना हरितालिका तीज का त्यौहार



हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। भारतीय संस्कृति समृद्धि, सुहाग और सौभाग्य, भगवान शिव, माता पार्वती के अटूट सेह का प्रतीक पर्व हरतालिका तीज का त्यौहार भाद्रपद शुक्ल तृतीया पर कल सोमवार को शहर में आस्थाभय माहौल में मनाया गया। ध्यौतिक लम्बे अंतराल के बाद सोमवार व तीज सहित गणेश चतुर्थी का त्रिवेणी संगम होना काफी शुभकारी बताया जा रहा है। इस त्रिवेणी संग्राम में पड़े हर तालिका तीज के चलते भगवान भोले नाथ का प्रिय दिवस सोमवार तथा सृष्टि के प्रथम पूज्य भगवान गणेश चतुर्थी का दिन विशेष ही गुणकारी साबित होते हुये देखा जा रहा है। इस प्रकार से हरतालिका तीज के दिन जहां बाजार में पूजा सामग्री के



सामान की दुकाने सजी हुई थीं। वहीं घरों में महिलाएं भगवान शिव, पार्वती को अर्पित करने वाले व्यंजनों को तैयार करने में जुटी हुई देखी जा रही थी। बताया जाता है कि तीजा पर्व पर सौभाग्यशाली महिलाओं व अच्छे वर की प्राप्ति की अभिलाषा करने वाली युवतियों ने घरों के आंगनों को सजाकर उनमें सुन्दर फूलधरे बांधकर उनके नीचे भगवान शंकर, माता पार्वती की मिट्टी से निर्मित मूर्तियां विराजित की गई थीं। वहीं हर तालिका तीज के पावन अवसर पर सुहागिनी

महिलाओं ने अलूता श्रृंगार कर निर्जला व्रत रखा था और अपनी पूजा की थाली में गौरा पार्वती की पूजन सामग्री फूल, सुहाग सामग्री सजाकर मन में इन कामनाओं को दोहराया था कि शिव, पार्वती उन्हें अखंड सौभाग्यवती रहने का आशीर्ष दे तथा उनके परिचार में सुख, समृद्धि की बारिश सदैव होती रहे। इस तरह तीजा पर्व के शुभ मुहूर्त पर घरों में महिलाओं ने विद्वान पंडितों से हरितालिका तीज की कथा सुनने के बाद श्रद्धा भाव से शिव, पार्वती की पूजा, अर्चना तथा आरती कर उन्हें कई प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर भगवान शिव व माता पार्वती से अखंड सुहागवती रहने का आशीष ग्रहण किया। सुहागिन महिलाओं का प्रमुख त्यौहार तीजा पर्व पर महिलाओं ने अपनी सखियों को सुहाग सामग्री, प्रसाद देकर उनकी मंगलकामनाएं रसिकारी तथा पूजन कराने वाले पंडितों को दान देने के बाद तीज

व्रत करने वाली महिलाओं ने जहां अपना व्रत समाप्त किया। वहीं तीजा व्रत करने वाले महिलाओं द्वारा दूसरे दिन तक व्रत रखने का निर्णय लिया तथा अपने दामपत्य जीवन में मधुरता, प्रेम का संवार करने वाले हरितालिका तीज पर्व की रात्रि में महिलाओं ने अपने घरों में रात्रि जागरण कर मंजूर व धार्मिक गीत गाकर अपनी खुशियों का इजहार किया।

देर रात तक चलती रही आकर्षक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना तो अनेक जगह देखे गये पंडाल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

विघ्नहर्ता, प्रथम पूज्य देव भगवान श्रीगणेश की आराधना, उपासना का पर्व 11 दिवसीय गणेशोत्सव कल सोमवार को प्रारंभ होने से शहर में धर्मगंगा प्रभावित हो उठी है। बड़े लम्बे अंतराल के बाद हरतालिका तीज व गणेश चतुर्थी पर्व एक साथ होने से एक अनोखी रौनक देखने मिली है। क्योंकि जहां लोगों के घरों में तीजा के चलते भगवान शिवजी व माता पार्वती जी का पूजन होते हुये देखा गया तो दूसरी ओर पंडालों से लेकर सड़कों पर भगवान गणेश जी के जयकारे लगते हुये सुनाई देने से नही चूक रहे थे। गणेश उत्सव के चलते नगर के बाजार, पानी की टंकी के पास व वाडों में जहां तहां मोदक प्रिय भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की दुकाने सजी हुई हैं। वहीं दूसरी ओर मिष्ठान, फल, फूलों की दुकानों पर भी भीड़ भाड़ का आलम नजर आ रहा है। बीते हुये सोमवार को को गणेश के पिता भगवान शिव जी तथा माता पार्वती जी की पूजन



करने में तीजा का व्रत धारण करने वाली महिलाये तथा युवाओं द्वारा उनके पुत्र गणेश भगवान की भी लगातार जयकारे लगते हुये देखे जा रहे थे। इस प्रकार से गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार के दिन पड़ने के कारण नगर में सुबह से ही मूर्तिकारों के ठिकानों से ढोल दमाकों



के साथ शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के युवा, बच्चें भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं विभिन्न पंडालों में विराजित करने ले जाने लगे थे और यह क्रम जहां देर रात्रि तक जारी रहा। वहीं क्षेत्र के गांवों में भी शाम तक गणपति बप्पा की प्रतिमाएं ले जाने का सिलसिला चलता रहा, जिसमें लोग

अपने ट्रेक्टरों, मोटर साईकिलो के आलवा साईकिलों से भी गणेश प्रतिमाएं ले जाते हुए देखे जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर अनेक जगहों पर बच्चों की टोलियों द्वारा स्थापित किये जाने वाले गणपति बप्पा की तैयारियों को लेकर पंडालों का निर्माण करते हुये देखा जा रहा था। बताया जाता है कि



राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के मौके पर सिर्फ बधाई संदेश देने के लिये याद किया गया राष्ट्रभाषा को कार्यक्रम की औपचारिकता के बाद फिर एक साल के लिये फाईलों में दबकर रहे जावेगी हमारी मातृभाषा, लगातार अंग्रेजी को बोलबाला होने से हिन्दी भाषी हो रहे परेशान...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।



छोटे से लेकर बड़े कार्यालयों में अंग्रेजी की मार के चलते जहां हिन्दी भाषी परेशान होत चले जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर लोगों में अपने बच्चों को जिस तरह अंग्रेजी की ओर ढकेला जा रहा है उसका हमारी हिन्दू संस्कृति पर भी काफी हद तक प्रभाव देखने मिल रहा है। यह बात अलग है कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा जरूर मिल गया है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा हर कार्य में जिस प्रकार से अंग्रेजी को महत्व दिया जा रहा है उसके चलते सही मायने में देखा जावे तो हिन्दी विलुप्त होते हुए दिखाई दे रही है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक बैकों में स्पष्ट लिखा होता है कि हिन्दी का उपयोग किया जावेगा तो हमें बड़ी प्रसन्नता होगी। मगर यह लिखा हुआ शब्द मात्र बोर्ड की शोभा बढ़ाने तक ही सीमित होकर रहे चुका है? जबकि सच्चाई यह है कि अभी भी बैंक, बिजली विभाग सहित अने फाईनेंस कंपनियों द्वारा अपने माहल को उपभोक्ताओं को बेचने वाली



कंपनियों में अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। हालत यह है कि कई नामचीन कंपनियों के लिए काम करने वाले स्टडीलिश युवा फरटि दार अंग्रेजी बोलकर पहले तो उपभोक्ताओं को प्रभावित करने की चेष्टा करते है और बाद में मशीन या अन्य फाईनेंस करने के लिए अंग्रेजी भाषा में लिखा एग्रीमेन्ट फार्म पेश करा लेते है और उस पर कम पढ़े लिखे लोगों द्वारा बगैर समझे ही हस्ताक्षर या फिर अंगूठा लगवाने से नही चूकते है। जबकि देखा जावे तो उस अंग्रेजी एग्रीमेन्ट में क्या लिखा है वह उपभोक्ता को पता ही नही रहता है? गौरतलब है कि अंग्रेजी न जानने वाले बहुत से उपभोक्ता कंपनियों के अधिकर्ताओं की बातों में आकर इन अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर तो कर देते है मगर बाद में उनके दिमाग में यह शंका उभरने लगती है कि अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर करने के दौरान कही उन्से ऐसी गलती तो नही हो गई है, जिसके कारण बाद में उन्हें पछताने मजबूर होना पड़े और अक्सर ऐसा होता भी है?



भारत की समर्थ राष्ट्रभाषा हिन्दी के बोलने, समझने, लिखने वालों की बड़ी तादाद क्षेत्र में होने के बावजूद भी अंग्रेजी भाषा में लिखे अनुबंध पत्रों के गोरख धंधे को लेकर समूचे क्षेत्र में इन दिनों कई तरह की चर्चाएं सुनाई पड़ रही है...? आमजनों का कहना है कि कभी-कभी अंग्रेजी भाषा में उपभोक्ताओं के सामने पेश किये जाने वाले एग्रीमेन्ट फार्म भ्रम पैदा करते है और शासकीय विभागों या कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच बनी विश्वास की डोर ढीली पड़ने लगती है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार विभागों, कंपनियों और एक तरह से राष्ट्रभाषा भी अपमानित हो युवा राजेश वर्मा का कहना है कि हमारे देश की सरकारें लगातार राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मान जनक दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है। वहीं कई बैंक भी हिन्दी पखवाड़ा मना रहे है, पर आमतौर पर देखने में आता है कि ऋण लेने के लिए उपभोक्ताओं से



अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित अनुबंध भरवाये जाते है। इस हालत में निश्चित ही अंग्रेजी का ज्ञान न होने से अधिकतर व्यक्ति दुविधा में पड़ जाते है...? राष्ट्रियकृत बैंकों की शाखाओं में अंग्रेजी का खेल समाप्त करने की दिशा में सरकार को पहल करना चाहिए। सदन सोनी का मानना है कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है। यह आम बोल चाल की सहज में समझ में आने वाली भाषा है। लेकिन बिड़म्बना की बात है कि अनेक शासकीय विभागों, बैंक शाखाओं में अभी तक अंग्रेजी भाषा में लिखित अनुबंध पत्र भरवाये जाते है, ये एग्रीमेन्ट फार्म बिना समझे उपभोक्ताओं का इन पर हस्ताक्षर करने से कई समस्याएं पैदा हो रही है और एक तरह से राष्ट्रभाषा भी अपमानित हो रही है। वहीं साईंखेड़ा निवासी दीपक अग्रवाल का कहना है कि वर्तमान में काफी हद तक मान्यायालयों, रेल विभाग में हिन्दी का प्रयोग होने लगा है। किन्तु इसके बावजूद बैंकों सहित अनेक निजी कंपनियों जो लोगों को एग्रीमेन्ट करारक सामन



उपलब्ध कराने के साथ साथ धन भी देती है। वह अपना अंग्रेजी को अपने दामन से लगायी बैठी है, जो अपना अंग्रेजी भाषा के माध्यम से कौन से एग्रीमेन्ट ले लेती है उसका उपभोक्ता को पता नही रहता है और वह उस पर अपनी सहमती का ठप्पा लगा देता है। इसी प्रकार से नगर के नमंदा कालोनी निवासी रजनीश कौरव का कहना है कि उपभोक्ताओं में ऋण लेने खासा लाभ देने वाली मशीने खरीदने की स्वाभाविक बैचेनी रहती है। इस हड़बड़ी के चलते कई कंपनियों अधिकतर उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में लिखें अनुबंध पत्र भरवा लेती है, जिसके चलते बाद में देखने मिलता है कि इन एग्रीमेन्ट फार्मों पर उतावली में दस्तखत कर उपभोक्ताओं को पश्चयाताप की आग में तपना पड़ता है? बेतहर यही होगा कि सभी कंपनियां हिन्दी भाषा में अनुबंध पत्र प्रकाशित कर उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने का प्रयास करें तभी हम हमारे देश में हिन्दी को सम्मानित कर पाने में सफल हो सकते है।

रानी अवंती बाई लोधी आयोजन समितियों की आयोजित हुई बैठक



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक संघ) एवं रानी अवंती बाई लोधी आयोजन समिति व लोधी समाज के पदाधिकारी तथा गणमान्यजनों की विमर्श बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रमुख रूप से आगामी 6 दिसंबर को मध्यप्रदेश प्रांतीय प्रतिभा एवं नरसिंहपुर जिला का प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम सालीचौका में आयोजित करने व विस्तृत रूप रेखा के संबंध में चर्चा की गई। इस मौके पर आलोक द्वारा ये आयोजन प्रतिवर्ष अलग अलग स्थानों पर किये जाते हैं। ग्राम-सालीचौका, छोटी बावई, सहावन , सहावन टोला, खैरुआ, सांवरी, आडेगांव, टेकारापुर, डुंगरिया, केसला, बसुरिया, रहमा, बारहाबाड़ा, रेशम केन्द्र बसुरिया, पचामा, मारेगांव, अमाडा सहित अन्य ग्रामीण अंचलों से पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर सुरेश पटेल, अशोक कुमार सिलोकिया, भावसिंह वर्मा, राजकुमार वर्मा, भोजराज वर्मा, शंकर लाल उपरारिया, धनराज मुहारिया, मुन्ना लाल वर्मा, मनोज वर्मा, चन्द्रभान, लक्ष्मी नारायण वर्मा, कौशल वर्मा, महेश वर्मा, बसुरिया के सभी समाज सेवियों के आलवा सभी शिक्षक पदाधिकारी तथा आलोक संघ पदाधिकारी एवं आलोक संघ के नरसिंहपुर से आये राष्ट्रीय, प्रांतीय, जिला, ब्लकों से आये सभी पदाधिकारीयों ने अपनी अपनी सहमति देते हुये कार्यक्रम को अच्छे से अच्छा करने की रुपरेखा पर विचार विमर्श किया गया।

सांगई स्कूल में बच्चों ने बनाई मिट्टी की गणेश प्रतिमायें



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बैंगलैस डे एवं माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान' के तहत बीते हुये दिवस जनपद पंचायत साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों ने मिट्टी से भगवान श्री गणेश जी की मूर्तियां बनाकर मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा की स्थापना करने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्रा अंजलि केवट, कुसुम केवट, विद्या केवट एवं गायत्री केवट ने कहा कि हम लोगों ने बड़े ही उत्साह से भगवान गणेश जी की मूर्तियां बनाई हैं एवं उन्हें सजाया है। इस आयोजन के सूत्रधार माध्यमिक शिक्षक मधु सूदन पटेल ने विद्यार्थियों को गणेश उत्सव मनाये जाने से जुड़ी जानकारी दी एवं मिट्टी से बनी मूर्तियों को परिष्करण के दिह में बताया। इस अवसर पर प्रधान पाठक दशरथ प्रसाद जाटव, शिक्षक विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर, किरणलता ठाकुर, किरणलता ठाकुर, किरणलता ठाकुर की उपस्थिति प्रमुख रूप से रही।

खबर संक्षेप

9 साल बाद टूटा सांसद हिमाद्री सिंह और नरेंद्र मरावी का वैवाहिक रिश्ता

अनूपपुर। शहडोल लोकसभा क्षेत्र की भाजपा सांसद हिमाद्री सिंह और पूर्व भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह मरावी का वैवाहिक रिश्ता करीब नौ साल बाद कानूनी रूप से समाप्त हो गया। अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम स्थित जिला न्यायालय ने दोनों की पारस्परिक सहमति से विवाह विच्छेद की डिक्री पारित की है। न्यायालय ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 13-बी के तहत यह डिक्री 3 सितंबर 2026 को जारी की। दोनों का विवाह 23 नवंबर 2017 को राजेंद्रग्राम में हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। वैवाहिक जीवन में आपसी मतभेद के बाद दोनों 5 मई 2021 से अलग-अलग रह रहे थे। न्यायालय में प्रस्तुत सहमति के आधार पर दोनों ने विवाह संबंध समाप्त करने की इच्छा जताई। नियमानुसार न्यायालय ने सुलह की संभावना को देखते हुए छह माह की अवधि भी दी, लेकिन इस दौरान दोनों के बीच साथ रहने की स्थिति नहीं बन सकी। हिमाद्री सिंह और नरेंद्र सिंह मरावी की एक बेटी गिरिशा सिंह है, जिसका जन्म 20 जून 2019 को हुआ था। न्यायालय के समक्ष तय सहमति के अनुसार बेटी की अभिरक्षा हिमाद्री सिंह के पास रहेगी। बेटी के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य से संबंधित खर्चों की जिम्मेदारी भी हिमाद्री सिंह स्वयं उठाएंगी। अदालत की कार्यवाही के दौरान हिमाद्री सिंह ने अपने अथवा बेटी के लिए नरेंद्र मरावी से किसी प्रकार का गुजारा भत्ता लेने से इनकार किया। दोनों पक्षों ने न्यायालय को यह भी बताया कि जेवरात और उपहारों के लेन-देन को लेकर उनके बीच कोई विवाद नहीं है। इसके बाद न्यायालय ने विवाह विच्छेद की अंतिम डिक्री पारित कर दी।

सेवा संकल्प अभियान के जरिए पहुंचेगा सेवा और विकास का संदेश- विधायक मनीषा सिंह

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान की संपूर्ण जानकारी को साझा करने के लिए 14 सितंबर 2026 को भाजपा कार्यालय अनूपपुर में मध्य प्रदेश भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयसिंहनगर की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह की उपस्थिति में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर को ‘सेवा दिवस’ के रूप में की जाएगी। इस अवसर पर स्वतदात्म शिदिर सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रदेश के सभी बूथों पर शाम 7 बजे ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। इसके साथ ही 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत ‘नमो सेवा- अन्नकही कहानियां’ के माध्यम से प्रधानमंत्री के जनकल्याणकारी कार्यों और योजनाओं से आए बदलावों को नुकड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। वहीं ‘आंगन मिलन सेवा’ के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों और उनकी माताओं के साथ कार्यक्रम आयोजित कर पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी 11,404 शक्ति केंद्रों पर ‘सेवा की कहानी’ कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों की वास्तविक सफलता की कहानियां सामने लाई जाएंगी। प्रत्येक शक्ति केंद्र से कम से कम 10 कहानियां तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा की जाएंगी। सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प के तहत 17 अक्टूबर की विभिन्न गांवों और क्षेत्रों को जोड़ते हुए पदयात्रा, साइकिल रैली और बाइक रैली आयोजित होंगी। यात्रा के समापन पर साप्ताहिक रूप से विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया जाएगा। वहीं ‘नर्मदा यात्रा’ के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जल लेकर वाराणसी पहुंचकर काशी विश्वनाथ का जलामिषेक किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने बताया कि अभियान में ‘सेवा मेरा योगदान’ के तहत प्रत्येक कार्यकर्ता समाजसेवा में अपना योगदान देगा। नागरिक भी न्यूनतम 25 मिनट श्रमदान कर अभियान में सहभागिता कर सकेंगे।

अवैध शराब के चार प्रकरण दर्ज, 21 लीटर कच्ची शराब जब्त

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री की शिकायतों के आधार पर आबकारी विभाग ने 13 सितंबर को डिंडौरी वृत्त के मिथरोडी और शाहपुर क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान चार अलग-अलग मामलों में 21 लीटर हाथ भट्ठी कच्ची शराब और 25 पाव देशी मदिरा प्लेन जब्त की गई। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 6075 रुपये बताई गई है।मामलों में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। विभाग की ओर से की गई कार्रवाई के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।कार्रवाई आबकारी अधिकारी पतरस बड्डा के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में उप निरीक्षक सम्भर सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक मनीष उड्डे, करिशमा सलामे, यमन बरावी, सुनील कुमार डोगरे, नगर सैनिक तोक सिंह मरावी और वाहन चालक कुलदीप उड्डेक शामिल रहे।



है।डिंडौरी और मंडला वन वृत्त में पिछले कुछ वर्षों में साल बोर



का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। इसके चलते बड़ी संख्या में साल के

पेड़ों के प्रभावित होने की बात सामने आई है।

आठ केंद्रों से एक जगह लाए जाएंगे कीट

वन विभाग के आठ संग्रहण केंद्रों में रखे गए सभी कीटों को 24 सितंबर को एक निर्धारित स्थान पर लाया जाएगा। यहां लकड़ियों की व्यवस्था कर इन्हें विधिवत जलाकर नष्ट किया जाएगा। विभाग का मानना है कि लाखों कीटों के सामूहिक नष्टीकरण से इनके प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी। नष्टीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डिंडौरी के साथ मंडला जिले के तीन अन्य डीएफओ मौजूद रहेंगे। इसके अलावा एसडीओ, रेंजर और वन समितियों के सदस्य भी मौके पर रहेंगे। पूरी

कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

वक्ताओं ने हिंदी को बताया भारत की पहचान, रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं पर भी डाला प्रकाश



हिंदी दिवस पर विशेष

व्याख्यान, हिंदी पखवाड़े

का हुआ आगाज शहपुरा– शासकीय आदर्श महाविद्यालय शाहपुरा में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री पी.एस. वरकड़े के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी भाषा के महत्व, साहित्यिक विरासत और रोजगारपरक संभावनाओं पर विशेष

व्याख्यान हुआ। इसी के साथ हिंदी पखवाड़े का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध पंक्तियों “निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति को मूल” के स्मरण के साथ हुई। मुख्य वक्ता एवं समन्वयक डॉ. नरेंद्र सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भारत के माथे की गौरवमयी बिंदी है। हिंदी केवल भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि वर्तमान समय में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं वाली महत्वपूर्ण भाषा भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को

हिंदी पत्रकारिता, अनुवाद, कंटेंट राइटिंग, डिजिटल मीडिया तथा विभिन्न शासकीय सेवाओं में हिंदी के माध्यम से उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी भाषा के ज्ञान को कौशल के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। विशिष्ट वक्ता डॉ. बसंती चौहान ने हिंदी के ऐतिहासिक गौरव एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी हमारी पहचान और संस्कारों से जुड़ी भाषा है। डॉ. ज्योति त्रिपाठी ने हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न साहित्यिक एवं

रचनात्मक प्रतियोगिताओं की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से बड़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की। हिंदी के प्राध्यापक अभिषेक पटेल ने अपने व्याख्यान में हिंदी साहित्य एवं व्याकरण की विभिन्न बारीकियों को सहज और सरल तरीके से विद्यार्थियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ से बिहारी लाल साहू,प्रकाश झारिया, सचिन कुमार धुर्वे,विशाल राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों में कामाक्षी भवेदी, श्लोक बर्मन, द्वारका प्रसाद परस्ते, पुष्पेंद्र यादव,

बरगांव में विद्यार्थियों ने जाना ड्रोन तकनीक का हुनर

शहपुरा। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान (IIITDM) जबलपुर द्वारा चर्मदांचल विद्यापीठ, बरगांव में विद्यार्थियों के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक एवं उभरती तकनीकों से परिचित करने के साथ ड्रोन के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते उपयोग की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम का नेतृत्व IIITDM जबलपुर के भौतिकी विभाग के प्राध्यापक एवं डीन डॉ. मुकेश राय ने किया। उन्होंने कृषि, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, रक्षा, लॉजिस्टिक्स और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, वैज्ञानिक सोच और तकनीकी शिक्षा के प्रति



प्रोत्साहित किया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्राध्यापक एवं एयरो फ़ैब्रिकेशन प्रभारी डॉ. अक्षय पांडे ने विद्यार्थियों को ड्रोन की संरचना, कार्यप्रणाली, निर्माण प्रक्रिया और उसके व्यावहारिक उपयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं एयरो फ़ैब्रिकेशन टीम के सदस्य अपूर्व वर्मा, ऋतविक राय, अभिनव गोयल एवं मोहित देव ने तकनीकी प्रदर्शन

और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक की बारीकियों से अवगत कराया।कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विशेषज्ञों से संवाद कर ड्रोन तकनीक से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझा। विद्यार्थियों ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से उन्हें आधुनिक

तकनीक, इंजीनियरिंग एवं शोध के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी मिली। साथ ही प्रतिष्ठित संस्थान IIITDM जबलपुर की शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को करीब से जानने का अवसर भी प्राप्त हुआ। विद्यालय की प्राचार्य सुश्री सुरभि पांडे ने IIITDM जबलपुर की टीम का आभार व्यक्त करते हुए अतिथियों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने वाले ऐसे कार्यक्रम उनके भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और भविष्य में तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

धान की फसल पर बीमारी का संकट, पीले पड़कर सूख रहे पौधे

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जिले में धान की फसल पर बीमारी का प्रकोप किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। कई गांवों में खेतों में खड़ी धान की फसल पहले पीली पड़ रही है और इसके बाद पौधे सूखने लगे हैं। किसानों के स्तर पर सूख और खाद का छिड़काव किए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने से फसल को लेकर चिंता बढ़ गई है।अमरपुर विकासखंड के देवरीमाल गांव के किसानों के मुताबिक खेतों में धान के पौधे अचानक पीले पड़ने लगे। कुछ ही दिनों में पौधों के सूखने की स्थिति सामने आने लगी। किसानों ने फसल को बचाने के लिए अलग-अलग दवाओं और खाद का प्रयोग किया, लेकिन समस्या पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी।किसानों का कहना है कि धान में दिखाई दे रही समस्या केवल देवरीमाल तक



सीमित नहीं है। जिले के अलग-अलग विकासखंडों से भी धान के पौधों के पीले पड़ने और सूखने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हालांकि फसल में किस बीमारी या कीट का प्रकोप है, इसकी स्पष्ट जानकारी विशेषज्ञों की जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।



हुई और उचित उपचार नहीं मिला तो इसका असर उत्पादन पर पड़ सकता है। बिना बीमारी की सही पहचान के अलग-अलग दवाओं का इस्तेमाल करने से किसानों का अतिरिक्त खर्च भी बढ़ रहा है।प्रभावित किसानों ने कृषि विभाग और प्रशासन से खेतों का निरीक्षण कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि प्रभावित खेतों से फसल के नमूने लेकर जांच कराई जाए, ताकि बीमारी का वास्तविक कारण सामने आ सके। इसके साथ ही कृषि विशेषज्ञों के माध्यम से किसानों को उपयुक्त दवा, मात्रा और फसल बचाने के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की गई है।अब किसानों की नजर कृषि विभाग की जांच पर है। बीमारी का कारण स्पष्ट होने और समय पर उपचार मिलने से ही फसल को संभावित नुकसान से बचाया जा सकेगा।

समय पर पहचान नहीं हुई तो बढ़ सकता है नुकसान धान की फसल इस समय महत्वपूर्ण अवस्था में है। किसानों को आशंका है कि यदि बीमारी के कारणों की समय रहते पहचान नहीं

खबर संक्षेप



विक्रम चौधरी समन्वय समिति में तेंदूखेड़ा। विगत दिवस प्रदेश के वरिष्ठ नेता पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार संगठन महामंत्री संजय कामले की अनुशंसा पर डा विक्रम चौधरी को नरसिंहपुर जिला कांग्रेस कमेटेी में समन्वय समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति को लेकर जहां डा विक्रम चौधरी की दीर्घकालिक सक्रियता वैचारिक प्रतिबद्धता को देखा जा रहा है वहीं क्षेत्र के अनुसूचित जाति श्रमिक वंचित वर्ग जनपक्ष धर सोच से कांग्रेस को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्राप्त होगी।

ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी का 102वां प्रकटोत्सव आज



नरसिंहपुर। गोटेगांव,सनातन धर्म और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के महान संत, ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य द्वीपीठाधीश्वर, ज्योतिष्पीठाधीश्वर एवं द्वारिका-शारदापीठाधीश्वर स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज का 102वां प्रकटोत्सव सोमवार को उनकी पावन तपोस्थली परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर, गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर सहित देश के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर परमहंसी गंगा आश्रम सहित महाराज श्री द्वारा स्थापित विभिन्न मंदिरों एवं आश्रम परिसरों को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। मंदिरों में विराजित भगवती एवं अन्य देवी-देवताओं का विभिन्न प्रकार के पुष्पों और आकर्षक वस्त्रालंकारों से

विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। प्रकटोत्सव के अवसर पर गोटेगांव के विभिन्न ग्रामों से श्री शिव भक्ति सत्संग मंडल के तत्वावधान में पूज्य गुरुदेव की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी यात्रा लठगांव होते हुए गोटेगांव पहुंची और यहां श्री देव ठाकुर बाबा मंदिर से होते हुए परमहंसी गंगा आश्रम की ओर रवाना हुई।पालकी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ गुरुदेव का स्मरण किया। जगह-जगह पालकी का स्वागत किया गया और श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण बना रहा।गोटेगांव में श्री सरदार सिंह पटेल, विधायक महेन्द्र नागेश एवं निधान पटेल ने पालकी में विराजित पूज्य गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा अर्पित की और पालकी यात्रा को आगे के लिए रवाना किया। पालकी यात्रा में अरविंद पटेल, मीनू राजपूत, आरती पटेल, राजकुमार पटेल,परम लाल पटेल, सत्य सिंग पटेल ,गजराज पटेल ,अन्नीलाल पटेल ,कौडू लाल ठाकुर साथ में गोटेगांव तहसील के समस्त गुरु भक्त मौजूद रहे

प्लेटफॉर्म-2 पर सालों से बंद दो गुमटियां, यात्रियों की सुविधा पर बड़ा सवाल!

जीआरपी चौकी के बाजू और प्लेटफॉर्म के बीचों बीच रखे ठेले वर्षों से नहीं खुले; जगह घेरकर खड़ी गुमटियों का औचित्य क्या ?
श्रीधाम। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-2 पर यात्रियों की सुविधा के लिए रखी गई कैटैनखुन्ना गुमटियां अब सुविधा से ज्यादा सवाल का कारण बनती दिखाई दे रही हैं। प्लेटफॉर्म-2 पर जीआरपी चौकी के बाजू में एक गुमटी और प्लेटफॉर्म के बीचोंबीच रेलवे विभाग द्वारा रखवाई गई दूसरी गुमटी लंबे समय से बंद बताई जा रही है। यात्रियों के मुताबिक इन गुमटियों के रखे जाने के बाद से ही इनका नियमित संचालन नजर नहीं आया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब यात्रियों को इनसे कोई सुविधा ही नहीं मिल रही तो आखिर इन्हें प्लेटफॉर्म पर रखने का औचित्य क्या है? रेलवे स्टेशन पर जगह का उपयोग सामान्यतः यात्रियों की सुविधा और आवश्यक सेवाओं के लिए किया जाता है। खाद्य सामग्री, पेयजल अथवा अन्य यात्री सुविधाओं से जुड़ी गुमटियों का उद्देश्य भी यही होता है कि यात्रियों को स्टेशन परिसर में आवश्यक सामान आसानी से उपलब्ध हो सके। लेकिन श्रीधाम स्टेशन के प्लेटफॉर्म-2 की तस्वीर इससे अलग नजर आती है। यहां गुमटियां मौजूद हैं, लेकिन उनके बंद रहने से यात्रियों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा।



सबसे गंभीर सवाल प्लेटफॉर्म की स्थिति को लेकर है। एक गुमटी जीआरपी चौकी के बाजू में रखी हुई है, जबकि दूसरी गुमटी प्लेटफॉर्म के बीचोंबीच नजर आती है। यदि दोनों का नियमित संचालन नहीं हो रहा है तो क्या रेलवे ने इन स्थानों का उपयोग और यात्रियों को होने वाली सुविधा का कमी आकलन किया है? यदि ये किसी ठेके या आवंटन के तहत रखी गई हैं तो उनकी संचालन शर्तें क्या हैं? सिर्फ गुमटी रखना ही काफी है या सुविधा देना भी जिम्मेदारी?

शांति समीति की बैठक में पंडालों की सुरक्षा और विद्युत तारों से बचाव पर चर्चा



तेंदूखेड़ा। गत दिवस पुलिस थाना तेंदूखेड़ा में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की अध्यक्षता में शांति समीति की बैठक आयोजित की गई जिसमें दस दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव और आने वाले त्यौहारों की शांति सद्भाव सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने पर विस्तार से चर्चा की गई। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिनव मिश्रा ने बताया कि गणेशोत्सव पर जगह-जगह पंडाल बनाये जाते हैं।जिनकी सुरक्षा व्यवस्था करना समीतियों टोलियों की नैतिक जिम्मेदारी है। तथा पंडाल में कटे हुए

विद्युत तार बिल्कुल ना लगायें।इससे करंट लगने की आशंका बढ़ जाती हैं। नगरीय क्षेत्रों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में घटनाएं सामने आती हैं।बीच सड़क मार्ग पर पंडाल ना बनाएं जायं आवागमन प्रभावित ना हो।देर रात्रि तक तेज आवाज में डीजे साउण्ड ना बजायें जायें। तेज आवाज से किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ती भी ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाये। यदि किसी भी प्रकार की कोई शिकवा शिकायत आवेगी तो संबंधित संचालक पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी।झांकियों के

दर्शन करने जाने वाले दर्शनार्थियों को किसी भी प्रकार की कोई महिलाओं बच्चों को निकलने में परेशानी ना हो इसका भी ध्यान रखा जाए। पंडालों के पास यदि किसी भी प्रकार की अग्नि दुर्घटना होती है तो तत्काल प्रभाव से फायरब्रेड को सूचना करें। अनावश्यक रूप से चंदा वसूली भी नहीं की जानी चाहिए और ना ही मुख्य सड़क मार्ग पर खड़े होकर चंदा वसूली करें। दिगम्बर जैन समाज का पर्यूपण पूर्व भी प्रारंभ हो रहा है। रात्रि के समय होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित हो। विसर्जन स्थलों अस्थाई कुंडों में ही सुरक्षा के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाये। बैठक में उपस्थित लोगों ने भी अपने अपने विचार रखे।इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष नगर निरीक्षक पार्षद गण गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

तेंदूखेड़ा। चान्वरपाठा ब्लॉक अतिथि शिक्षक तहसील इकाई तेंदूखेड़ा के अतिथि शिक्षकों की एक बैठक संपन्न हुई। शासकीय शालाओं में सेवाएं दे रहे अतिथि शिक्षकों के साथ प्रदेश सरकार के द्वारा हो रहे सौतेले व्यवहार के कारण अतिथि शिक्षकों को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रमुख समस्या वेतन छुट्टी मातृत्व अवकाश एवं नियमितकरण जैसी प्रमुख समस्याओं के तुरत निदान को लेकर आगामी रूप रेखा के लिए सभी से विचार विमर्श किया गया। लगभग 18 वर्षों से अपने अल्प वेतनमान पर कार्य कर रहे अतिथि शिक्षकों के साथ प्रदेश सरकार के द्वारा सौतेला व्यवहार देखने को मिल रहा है जहां एक ओर अतिथि शिक्षकों को अप्रैल के बाद से आज तक किसी भी प्रकार का कोई मानदेय प्रदान नहीं किया गया है वहीं

रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार पर भी जिले के सभी ब्लॉकों में कार्य कर रहे अतिथि शिक्षकों को वेतन से वंचित रखा गया और रक्षाबंधन का त्यौहार भी बगैर वेतन के ही मानना पड़ा।प्रदेश सरकार द्वारा अतिथि शिक्षकों को अभी तक किसी भी प्रकार की कोई छुट्टी प्रदान करने का आदेश भी जारी नहीं किया गया है। सिर्फ कोरा आश्वासन ही दिया गया है। महिलाओं को लेकर सबसे प्रमुख समस्या मातृत्व अवकाश की है। जहां प्रदेश में लिए सभी से विचार विमर्श किया गया। मातृत्व अवकाश जैसी सुविधाओं का लाभ तत्काल प्रभाव से मिलना चाहिए था। सरकार के द्वारा आज तक महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण को देखते हुए किसी भी प्रकार कीस्थिति में महिलाओं को मातृत्व अवकाश के लाभ से वंचित रखा गया है। जो कहीं ना

कहीं सरकार द्वारा महिला सुरक्षा और संरक्षण की दशा में एक कुठरघात है। शासकीय सेवाओं में कार्य करते समय यदि किसी महिला बच्चों को जन्म देती है तो उसको ताला का त्याग करना पड़ेगा क्योंकि बच्चे के जन्म के बाद तत्काल शाला में कार्य करना संभव नहीं हो पता है।देखा जाए तो स्थाई शिक्षकों के लिए मातृत्व अवकाश के लिए पर्याप्त छुट्टियां का प्रावधान सरकार द्वारा दिया जाता है। अन्य सब बिंदुओं को लेकर अतिथि शिक्षकों द्वारा आगामी सप्ताह में प्रदेश परिहन एवं शिक्षा मंत्री जी से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत करा कर उन्हें अल्प समय में व्यवस्थाओं को सुचारु करने के लिए मुलाकात करेंगे।



टीईटी परीक्षा से मुक्ति हेतु हनुमान जी के चरणों में समर्पित की अर्जी

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस पीएमएएम शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर चौवफाटा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम डोभी के हनुमान मंदिर में एकत्रित होकर शिक्षकों ने एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए टीईटी परीक्षा से मुक्ति।नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता पुरानी पेंशन बहाली एवं केंद्रीय वेतनमान की माँग को लेकर हनुमान जी का पूजन कर अर्जी समर्पित की। इस अवसर पर शिक्षक विजय शर्मा मनोज वर्मा राजेंद्र पटेल प्रदीप शर्मा दीपक जैन अरुण सोनी लाल पटेल कुंदेश पटेल दुर्गेश पटेल नीरज पटेल आदि उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर हुई चर्चा



तेंदूखेड़ा। चान्वरपाठा ब्लॉक अतिथि शिक्षक तहसील इकाई तेंदूखेड़ा के अतिथि शिक्षकों की एक बैठक संपन्न हुई। शासकीय शालाओं में सेवाएं दे रहे अतिथि शिक्षकों के साथ प्रदेश सरकार के द्वारा हो रहे सौतेले व्यवहार के कारण अतिथि शिक्षकों को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रमुख समस्या वेतन छुट्टी मातृत्व अवकाश एवं नियमितकरण जैसी प्रमुख समस्याओं के तुरत निदान को लेकर आगामी रूप रेखा के लिए सभी से विचार विमर्श किया गया। लगभग 18 वर्षों से अपने अल्प वेतनमान पर कार्य कर रहे अतिथि शिक्षकों के साथ प्रदेश सरकार के द्वारा सौतेला व्यवहार देखने को मिल रहा है जहां एक ओर अतिथि शिक्षकों को अप्रैल के बाद से आज तक किसी भी प्रकार का कोई मानदेय प्रदान नहीं किया गया है वहीं

रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार पर भी जिले के सभी ब्लॉकों में कार्य कर रहे अतिथि शिक्षकों को वेतन से वंचित रखा गया और रक्षाबंधन का त्यौहार भी बगैर वेतन के ही मानना पड़ा।प्रदेश सरकार द्वारा अतिथि शिक्षकों को अभी तक किसी भी प्रकार की कोई छुट्टी प्रदान करने का आदेश भी जारी नहीं किया गया है। सिर्फ कोरा आश्वासन ही दिया गया है। महिलाओं को लेकर सबसे प्रमुख समस्या मातृत्व अवकाश की है। जहां प्रदेश में लिए सभी से विचार विमर्श किया गया। मातृत्व अवकाश जैसी सुविधाओं का लाभ तत्काल प्रभाव से मिलना चाहिए था। सरकार के द्वारा आज तक महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण को देखते हुए किसी भी प्रकार कीस्थिति में महिलाओं को मातृत्व अवकाश के लाभ से वंचित रखा गया है। जो कहीं ना

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस पीएमएएम शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर चौवफाटा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम डोभी के हनुमान मंदिर में एकत्रित होकर शिक्षकों ने एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए टीईटी परीक्षा से मुक्ति।नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता पुरानी पेंशन बहाली एवं केंद्रीय वेतनमान की माँग को लेकर हनुमान जी का पूजन कर अर्जी समर्पित की। इस अवसर पर शिक्षक विजय शर्मा मनोज वर्मा राजेंद्र पटेल प्रदीप शर्मा दीपक जैन अरुण सोनी लाल पटेल कुंदेश पटेल दुर्गेश पटेल नीरज पटेल आदि उपस्थित रहे।

निर्जला व्रत रखकर महिलाओं ने रखी कामना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । विगत दिवस सम्पूर्ण जिले में हरितालिका तीज का व्रत बड़े धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं द्वारा व्रत की तैयारीया एक दिन पूर्व से शुरू कर दी गई थी। बाजार में विभिन्न औषधियुक्त पेड़ों की डाली व पत्तों से सजे हुये फुलरों का विक्रय जोरों पर रहा। वहीं बच्चों ने भी तीज के पर्व का काफी उत्साह देखा गया बच्चों द्वारा अपने फुलरे को अयुक्त तरीके से जाने में रुचि दिखाते हुये तैयार किया गया। महिलाओं ने दिन भर निर्जला व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र व परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। वहीं मंगलवार को फुलरों को जलाशय में प्रवाहित कर व्रत तोड़ा गया। महिलाओं द्वारा हरतालिका व्रत धारण कर विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया तथा भगवान को फल - फूल एवं विविध प्रकार के पकवानों का भोग लगाया गया एवं पूरी रात्रि संकीर्तन किया गया। मान्यता है कि हरतालिका का व्रत धारण करने से पति की लंबी उम्र व सुखी जीवन होता है।



धूमधाम से मनाया विश्व तेली दिवस भगवान गणेश की पूजन के साथ महान विभूतियों को किया याद

सामाजिक एकता और निर्माणाधीन मंदिर को लेकर हुई चर्चा, नवनि्युक्त पदाधिकारियों का सम्मान

गोटेगांव। साहू समाज उत्थान मंडल एवं समस्त साहू समाज गोटेगांव द्वारा विश्व तेली दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता साहू समाज उत्थान मंडल के अध्यक्ष भगवान दास साहू ने की। इस अवसर पर समाज की आरध्या मा कर्मा देवी, दानवीर मामाशाह, माता राजीव सहित तेली समाज की विभिन्न महान विभूतियों को



याद किया गया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक विषयों

विधायक ने विजेताओं को दिये पुरस्कार

चौपड़ प्रतियोगिता का हुआ समापन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा क्षेत्र के प्रतिष्ठित कृषक समाजसेवी ईश्वरपुर के पूर्व सरपंच स्व चौधरी रामनाथ सिंह की स्मृति में प्रति वर्ष अनुसार आयोजित विशाल राज्य स्तरीय चौपड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके समापन पर प्रथम विजेता पिपरिया द्वितीय विजेता खुलरी तृतीय विजेता छैनाकछार एवं चतुर्थ विजेता बेलखेड़ा के खिलाड़ियों को क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने पुरस्कृत करते हुए स्पष्ट किया कि चौपड़ केवल एक खेल नहीं है बल्कि यह हमारी परंपरा संस्कृति और आपसी मेल-जोल से जुड़ा हुआ खेल है। ऐसे आयोजनों से हमारी पुरानी लोक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का अवसर मिलता है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी विजेता है। क्योंकि खेल में जीत हार से अधिक महत्वपूर्ण है खेल भावना और आपसी भाईचारा है।इस मौके पर मुख्य आयोजक चौ चंद्रभूषण सिंह पटेल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस प्रतियोगिता का



शुभारंभ पूर्व विधायक भैयराम पटेल राजेन्द्र पटेल के द्वारा किया गया था। तथा समापन क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने सरपंच ईश्वरपुर चौधरी चंद्रभान सिंह की अध्यक्षता में हुआ।प्रथम विजेता मलखान सिंह सेमरी हरचंद को 25 हजार नगद एवं शील्ड द्वितीय विजेता महेंद्र सिंह ऋषिराज खुलरी को 11 हजार एवं शील्ड तृतीय विजेता धर्मेन्द्र शिवम छैनाकछार चीचली को 7 हजार नगद शील्ड चतुर्थ विजेता ठा अवधेश सिंह ठा भगवान सिंह बेलखेड़ा को 5 हजार नगद शील्ड प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में एंटी फीस 601 नगद रखी गई थी।

श्रमिकों को सामाजिक, स्वास्थ्य सुरक्षा व स्वरोजगार

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों और अन्य पात्र नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य और आजीविका को मजबूत करने की दिशा में जिले में एक साथ कई पहल की जा रही हैं। इसी उद्देश्य से 15 सितम्बर को जिले के नगरीय निकायों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में पात्र लोगों को प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना से जोड़ा जाएगा। साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, आजीविका उन्नयन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। 15 सितम्बर को जिले के नगरीय क्षेत्रों में निर्धारित स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में मुख्य रूप से 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पात्र निवासी शामिल होंगे। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से जुड़े समूह सदस्यों के साथ संबंधित वार्डों के अन्य पात्र नागरिक भी शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। शिविरों में हितवाहियों को प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों का पंजीयन कराया जाएगा। योजना से जुड़ने वाले असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण होगी। गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम के उद्देश्य से महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

दो चोर गिरफ्तार, 11 मोटर साइकिल बरामद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना स्टेशनगंज पुलिस द्वारा मोटर साईकिल चोरी के मामले मे कार्रवाई करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अखिलेश रजक पिता हनुमत रजक, उम्र 33 वर्ष एवं टावल रजक पिता



बालकिशन रजक, उम्र 52 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम मुडुविया, थाना स्टेशनगंज को अभिरक्षा में लिया गया। दोनों के पास से 11 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सौरभ पटेल, उ.नि. राहुल सोनकर, आरक्षक राहुल दुबे, योगेन्द्र सिंह, जयनारायण सेन, जितेन्द्र राणा, आसिफ खान एवं सैनिक राजेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

